



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 14 जनवरी, 2000/24 बौध, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

आवकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 23 दिसम्बर, 1999

संख्या ई०एस०एन०-ए०(3)-19/93.—हिमाचल प्रदेश के राज्यालय, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई०एस०एन०-ए०(3)-19/93 तारीख 1-3-96 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश आवकारी एवं कराधान विभाग में लिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आवकारी एवं कराधान विभाग, लिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध 'अ' का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश आधिकारी एवं कराधान विभाग लिपिक वर्ग-III (अराजपत्रित) पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1996 के उपाबन्ध "अ" में,—

(क) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:—

160 (एक सौ साठ)

(ख) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात:—

(i) रुपये 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160 (मूल प्रवेश वतनमान) यह वेतनमान संवर्ग में पदों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत को दिया जायेगा।

(ii) 4400-150-5000-160-5800-200-7000 कनिष्ठ सहायक के लिए) यह वेतनमान संवर्ग में लिपिकों के पदों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत को, लिपिक के पद पर 5 वर्ष की सेवाकाल के पश्चात् दिया जाएगा, और इन पदों के पदधारियों को कनिष्ठ सहायक के रूप में पदाभिहित किया जायेगा।

(ग) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों में अंकों और शब्दों "18 से 35 वर्ष" के स्थान पर "18 से 38 वर्ष" अंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(घ) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किये जायेंगे, अर्थात:—

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों में से, जिन्होंने दसवीं कक्षा या हिन्दी (रत्न) सहित दसवीं कक्षा (अंग्रेजी, एक विषय सहित) उत्तीर्ण की हो, और जिनका ग्रेड में पांच वर्ष नियमित सेवाकाल या (31-3-1998) तक की गई तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा:

परन्तु चतुर्थ श्रेणी से प्रोन्नति हुए ऐसे पदधारियों को तब तक कनिष्ठ सहायक के पद पर प्रोन्नति के लिए पात्र नहीं समझा जाएगा जब तक कि वे भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों की मद संख्या 7 में सीधी भर्ती के लिए विहित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त नहीं कर लेते।

प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार चयन की उचित प्रक्रिया को अपनाते पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि जहां उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपनी कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय सभी कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे।

परन्तु उन सभी पदधारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी।

परन्तु यह और भी की जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए

जाने सम्बन्धित विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा। यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मेड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नॉन टेक्निकल सर्विसेज) रूलज, 1972 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसेमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेंसीज इन दो हिमाचल प्रदेश टेक्निकल सर्विसेज) रूलज, 1985 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

अजय मित्तल,
आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of this Department Notification No. EXN-A (3)-19/93, dated 23-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 23rd December, 1999

No. EXN-A(3)-19/93.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department Clerks Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996, notified *vide* Notification No. EXN-A(3)-19/93, dated 1-3-1996, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Excise and Taxation Department Clerks Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. **Amendment of Annexure "A".**—In Annexure "A" to the Himachal Pradesh, Excise and Taxation Department, Clerks Class-III (Non-Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1996 :—

(a) For the existing provisions against Column No. 2, the following shall be substituted, namely:—

"160 (One hundred sixty)"

(b) For the existing provisions against Column No. 4, the following shall be substituted, namely :—

(i) Rs. 3120-100-3220-110-3660-120-4260-140-4400-150-5000-160-5160 (Basic entry scale).—This scale is to be given to 50% of posts in the cadre.

(ii) 4400-150-5000-160-5800-200-7000 for Junior Assistant.—This scale is to be given to 50% of the total number of posts if Clerks in a cadre, after a period of five of years service as Clerk and the incumbents of these posts shall be designated as Junior Assistant.

(c) For the existing provisions against Column No. 6, for the words and figures “between 18 and 35 years” the words and figures “between 18 years and 38 years,” shall be substituted.

(d) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted namely :—

“By promotion from amongst the Class-IV officials who have passed Matriculation or Hindi (Rattan) with Matric (English as one of the subject) and also possess 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service in the grade :

Provided that the incumbents of the post of Class-IV officials so promoted shall not be considered to be eligible for their next promotion for the post of Junior Assistant until they possess the minimum Educational Qualification prescribed for the direct recruitment in column of 7 Recruitment and Promotion Rules.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these Rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment & Promotion Rules, provided that :

(i) In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule-3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and

having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of Ex-servicemen (Reservation of vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the Recruitment & Promotion Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998 as referred to above shall remain unchanged.

By order,

AJAY MITTAL,
Commissioner-cum-Secretary.

